



जय बृहस्पति देवा, ॐ जय बृहस्पति देवा।
छिन छिन भोग लगाऊँ, कदली फल मेवा॥
ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा ॥

तुम पूरण परमात्मा, तुम अन्तर्यामी।
जगतपिता जगदीश्वर, तुम सबके स्वामी॥
ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा ॥

चरणामृत निज निर्मल, सब पातक हर्ता।
सकल मनोरथ दायक, कृपा करो भर्ता॥
ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा ॥

तन, मन, धन अर्पण कर, जो जन शरण पड़े।
प्रभु प्रकट तब होकर, आकर द्वार खड़े॥
ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा ॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें



श्री बृहस्पति देव की आरती

Shri Brihaspati Dev Ki Aarti • MandirTheTemple.com

दीनदयाल दयानिधि, भक्तन हितकारी।
पाप दोष सब हर्ता, भव बंधन हारी॥
ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा ॥

सकल मनोरथ दायक, सब संशय हारो।
विषय विकार मिटाओ, संतन सुखकारी॥
ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा ॥

जो कोई आरती तेरी, प्रेम सहित गावे।
जेठानन्द आनन्दकर, सो निश्चय पावे॥
ॐ जय बृहस्पति देवा, जय बृहस्पति देवा ॥

सब बोलो विष्णु भगवान की जय।
बोलो बृहस्पतिदेव भगवान की जय॥



www.MandirTheTemple.com

Instagram: @MandirTheTemple

YouTube: @MandirTheTemple

Facebook: /MandirTheTemple



अर्थ व विधि
QR स्कैन करें